हिन्दी कार्यशाला - प्रतिवेदन
विषय – हिंदी में ए.आई. का उपयोग

दिनांक 28 अगस्त, 2026

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई तथा इसके उप केंद्रों के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए **हिंदी में ए.आई. का उपयोग** विषय पर दिनांक 28 अगस्त, 2026 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एन.पी. साहू की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में राष्ट्रीय समुद्री विज्ञान संस्थान, गोवा के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा द्वारा उक्त विषय पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में श्री राजीव लाल, संयुक्त निदेशक (प्रशासन)/ वरिष्ठ कुलसचिव भी उपस्थित थे ।

इस अवसर पर संयुक्त निदेशक (प्रशासन)/ वरिष्ठ कुलसचिव श्री राजीव लाल ने अपने उद्बोधन में सभी से अपील किया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करें । फाइलों में टिप्पणियाँ लिखने और रजिस्टरों में प्रविष्टियाँ करने के लिए हिंदी सरल हिंदी का उपयोग करें। आजकल हिंदी में आसानी से कार्य करने के लिए कई तकनीकी साधन उपलब्ध हैं, जिनमें ए.आई. महत्वपूर्ण है, जो हिंदी में कार्य करने को आसान बना देता है और यह वर्तमान समय की माँग भी है। इस संदर्भ में आज की यह कार्यशाला बहुत ही उपयोगी होगी।

इसके बाद अतिथि वक्ता डॉ. राजेश शर्मा ने डिजिटल युग में राजभाषा हिंदी एवं भारतीय भाषाओं का प्रभावी प्रयोग पर विस्तृत व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने राजभाषा नियम, अधिनियम, धारा 3(3) के दस्तावेज़, हिन्दी पत्राचार आदि से संबंधित जानकारी देते हुए हिंदी में ए.आई. के उपयोग के बारे में विस्तार से प्रतिभागियों को अवगत कराया और उनसे आग्रह किया कि राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य एवं राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए हिंदी में अधिकाधिक कार्य करें, जिसके लिए ए.आई. का उपयोग करें, जिससे जल्दी अपना कार्य हिंदी में किया जा सकता है। इससे हिंदी अनुभाग पर निर्भरता कम की जा सकती है और खुद आसानी से हिंदी में कार्य कर सकेंगे। उन्होंने विभिन्न ए.आई. साधनों के माध्यम से हिंदी टंकण, वॉइस टाइपिंग एवं हिंदी प्रूफ रीडिंग सहित अन्य सुविधाओं से संबंधित जानकारी भी दी। व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों से विचार–विमर्श कर उनकी समस्याओं का निदान किया गया तथा उन्होंने प्रतिभागियों को ई-मेल और ई-आफिस में हिंदी में कार्य करने और

ए.आई. के सही उपयोग का व्यावहारिक अभ्यास भी करवाया । कार्यशाला में कुल 21 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।

कार्यशाला के अध्यक्ष एवं निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने कहा कि वर्तमान युग में संप्रेषण में भाषा बाधक नहीं है। ए.आई. की मदद से अलग-अलग भाषा-भाषी आपस में प्रभावी तरीके से संप्रेषण कर सकते हैं, अपने विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। आजकल छोटे-छोटे बच्चे भी ए.आई. का उपयोग कर रहे हैं। वर्तमान समय में सामाजिक जीवन में ए.आई. अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हम जाने-अनजाने दिन-प्रति-दिन के जीवन कई बार ए.आई. का इस्तेमाल करते रहते हैं। कार्यालयीन कार्य में हिंदी के उपयोग के लिए ए.आई के उपयोग से संबंधित यह कार्यशाला बहुत ही उपयोगी है और आशा है कि सभी प्रतिभागीगण इस कार्यशाला के माध्यम से ए.आई का उपयोग करते हुए हिंदी में आसानी से कार्य करेंगे, जिससे संस्थान में हिंदी में किए जा रहे कार्यों की मात्रा एवं गुणवत्ता बढ़ेंगी।

इस कार्यशाला में संस्थान मुख्यालय से 35 प्रतिभागियों ने भौतिक रूप से तथा उपकेंद्रों से 22 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से सक्रियता से भाग लिया। यह कार्यशाला अपने उद्देश्य में पूर्ण रूप से सार्थक रहा । अंत में धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यशाला समाप्त हुई ।

ICAR-CIFE
Mumbai